संब्योविव /पानी 138-86/15150 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं ० (1) दी इन्द्री कैन ग्रोवर सोसायटी, लिंव, गांव व डाव इन्द्री, ज़िला करनाल (2) केन किमश्नर एण्ड सचिव, शूगर कैन कन्ट्रोल बोर्ड, हरियाणा कार्यालय निदेशक, एग्रीकलचर, संकटर 17, चण्डीगढ़ के श्रीमक श्री सुरेश कुमार तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलें में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

इस लिये, ग्रब, ग्रीद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं 0—3(44)84—3—श्रम, दिनांक 18 ग्रप्रेल, 1985 द्वारा उक्ते ग्रिधिसूचना की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय, ग्रम्बाला को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनिर्णय एवं भंचाट कीन मास में देने हेत् निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद सेन्सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्याश्री सुरेश कुमार, पुत्र श्री मनी राम की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है,

संब ग्रो॰ वि॰/पानी/33-86/15157. — चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं ॰ स्वतन्त्र भारत, वूलन मिल, जी टी. रोड, पानीपत के श्रमिक श्री जौहरी मल तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रीधोगिक विवाद है ;

इसलिये, श्रवं, श्रोद्योगिक विवाद श्रिक्षित्यम, 1947 की धारा र 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 श्रप्रैल, 1985 द्वारा उक्त, ग्रिधिसूचना की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, श्रम्बाला को विवाद प्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवाद ग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री जौहरी मल की सेवाश्रों का समापन न्यायोजित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस र राहत का 🗩

सं ग्रो वि /ग्रम्बाला / 181-85 / 15163. — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं स्मेरू एण्ड सेरी, एच एम टी , इन्सीलरी, 219, इण्डस्ट्रीयल एरिया; पंचकुला, (ग्रम्बाला) के श्रमिक श्री निर्मल सिंह् तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

इसलिए, ग्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रिविनियम, 1947 की धारा 10 की उपवारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिधिसूचना सं० 3 (44) 84-3-श्रम, दिनांक 18 अप्रैल, 1985, द्वारा उक्त श्रिधिसूचना की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, श्रम्वाला, को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रीमक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रथवा सम्बन्धित मामला है:— अ

क्या श्री निर्मल सिंह की सेवाम्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० श्रो०वि० /ग्रम्वाला/180-85/15169, चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि सु० सुमेर एण्ड सेरी एच.एम.टी. इन्सीलरी 219 इण्डस्ट्रीयल ऐरिया, पंचकुला (ग्रम्वाला) के श्रमिक श्री सुग्रीव सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

चसलिए, ग्रव, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं० 3(44)84-3-श्रम, दिनाक 18 ग्रप्रैल, 1985, द्वारा उक्त ग्रिधिसूचना की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, ग्रम्बाला को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला के न्यायिनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्तमामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री सुग्रीव सिंह, की सेवाग्री का समापन न्यायोजित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?